

B.A प्रथम सेमेस्टर

समाजशास्त्र

**introduction to the basic
concept of sociology
course code - A070101T**

Dr Sushama maurya

समूह

किसी सामान्य उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु लोगों द्वारा समान व्यवहार समूह कहलाता है
समूह निर्धारण के आधार है--

- सामान्य उद्देश्य
- सामान्य हित
- समूह चेतना
- शारिरीक समीपता
- समान भाषा
- सामान्य निवास

समूह की विशेषतायें --

- समूह के सदस्यों में विचारों का आदान - प्रदान होता है ।
- उनकी एक विशेष सामाजिक व्यवस्था एवं व्यक्तिगत वेशभूषा एवं पहचान होती है, जैसे - "मुस्लिम , बौद्ध मठ के लोग, हिन्दू आदि।
- समूह के सदस्यों के समान हित होते हैं ।
- समूह के सदस्यों में सहानुभूति की भावना होती है ।
- समूह के सदस्यों के मूल्य एवं मानदण्ड समान होते हैं ।

■ जो समूह के मूल्य और मानदण्ड का पालन नहीं करते उन्हें समूह द्वारा दंडित किया जाता है ।

■ ऐच्छिक सदस्यता होती है।

■ सदस्यों में जागरूकता होती है।

■ समूह का एक ढांचा होता है ।

■ व्यक्तियों का समूह होता है ।

■ समूह के सदस्यों में कार्य विभाजन होता है ।

■ समूह में स्तरीकरण होता है।

मर्टन ने समूह निर्धारण के 26 आधारों का उल्लेख किया , मनीवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य अपनी मूल प्रवृत्ति " ग्रेगेरियन इन्सटिक्ट " के कारण समूह में रहता है ।

● समूह को व्यक्तिपरख और वस्तुपरख के रूप में वर्णित किया , मर्टन ने

● आकार के आधार पर समूह को एकक, द्वैत , त्रैत में बाटा-- जार्ज सिम्मेल

● जार्ज सिम्मेल , जॉनसन एवं होमन्स ने छोटे समूहों को समाज का आधार माना वहीं मैकाईवर एवं पेज ने राष्ट्र एवं प्रांत जैसे समूहों का उल्लेख किया।

● एडवर्ड शापिर ने कहा समूह का निर्माण केवल इस तथ्य पर आधारित है की कोई विशेष स्वार्थ समूह के सदस्यों को एक सूत्र में बाँधे रहता है।

समूह के प्रकार --

- अर्ध समूह
- प्राथमिक समूह / primary group
- द्वितीयक समूह/ secondary group
- औपचारिक एवं अनौपचारिक समूह/ formal and Informal group
- संदर्भ समूह/ reference group
- नृजातिय समूह/ ethnic group
- जाति समूह/ caste group
- दबाव समूह/ pressure group
- निहित स्वार्थ समूह / vested Interest group

समूह का वर्गीकरण -

1 - उदग्र समूह --

जब असमान प्रस्थिति के लोग मिलकर जब समूह का निर्माण करते हैं तो उसे उदग्र समूह कहते हैं जैसे -- एक कम्पनी में काम करने वाले लोग, कॉलेज के सभी छात्र ।

2 - क्षैतिज समूह--

समान प्रस्थिति वाले लोगों का समूह जैसे
- BA 1 के सभी छात्र, एक जाति के लोग,
Professors का ग्रुप, एक धर्म के लोग
आदि ।

सोरोकिन के अनुसार समूह के प्रकार -
संबंधों के आधार पर --

एकल बन्धन समूह--

यह प्राकार्यात्मक आधार पर निर्मित होता है,
एक ही समूह के आपसी सम्बंध जैसे - जाति,
एक धर्म , एक क्लास के बच्चे आदि।

बहुल बन्धन समूह --

विभिन्न प्रकार के सम्बंधों के आधार पर बने
समूह जैसे - देश के सभी लोग , विभिन्न
कम्पनियों का सम्बंध आदि।

सोरोकिन के अनुसार समूह के प्रकार -
संबंधों के आधार पर --

एकल बन्धन समूह--

यह प्राकार्यात्मक आधार पर निर्मित होता है,
एक ही समूह के आपसी सम्बंध जैसे - जाति,
एक धर्म , एक क्लास के बच्चे आदि।

बहुल बन्धन समूह --

विभिन्न प्रकार के सम्बंधों के आधार पर बने
समूह जैसे - देश के सभी लोग , विभिन्न
कम्पनियों का सम्बंध आदि।

गिडिंग्स--

- एच्छिक समूह
- अनैच्छिक समूह

सैंडर्सन--

- एच्छिक
- अनैच्छिक
- प्रतिनिधिक समूह

मिलर --

- उदग्र
- क्षैतिज समूह

मैगडूगल--

- आकस्मिक
- उद्देश्य मूलक समूह

मर्टन-- सदस्तता के आधार पर --

- नाममात्रिय सदस्य
- सीमा स्थित सदस्य
- सदस्यता समर्थ सदस्य
- स्व समूह द्रोही

मर्टन--

- सदस्यता समूह
- गैर सदस्यता समूह

बोगार्डस -

- औपचारिक समूह
- अनौपचारिक समूह

अर्ध समूह --- बाटोमोर

अर्ध प्राथमिक समूह ---- कूले

पार्क एवं बर्गेस --

- प्रादेशिक
- गैर प्रादेशिक समूह

गिडिंग्स--

- जननिक समूह
- इकट्ठे समूह

वार्ड --

- अनिवार्य समूह
- एच्चिक समूह